B-3

L-6

दिनांक
5-02-24

3. यदि कोई अर्थव्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नहीं करती है, तो उसे Cruso Economy या Closed Economy (बंद अर्थव्यवस्था) कहा जाता है।

इसे Three - Sector Economy भी कहते हैं क्योंकि इसमें समग्र मांग का सूत्र निम्न प्रकार का होता है -

$$AD = C + I + G \; \boxed{+ X - M}$$

(X) ↓ NX (Net Exports)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

4. यदि कोई अर्थव्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय व्यापार करती है तो उसे open Economy (खुली अर्थव्यवस्था) कहते है इसे four Sector Economy भी कहते है, क्योंकि इसमें समग्र मांग का सूत्र निम्न प्रकार होता है-

$$AD = C + I + G + (X - M)$$

$(X - M) \downarrow NX$

5. कीन्स द्वारा उपभोग और आय के संबंध को दिखाने के लिए एक अव-धारणा का प्रयोग किया गया है जिसे उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति (MPC- Marginal Propensity to Consume) कहते है।

- उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति यह बताती है कि यदि किसी व्यक्ति की आय 1 इकाई (जैसे कि 1 रुपया) से बदल जाए तो वह उपभोग में कितना परिवर्तन करेगा।
- सूत्र रूप में इसे निम्न प्रकार प्रस्तुत किया जाता है -

$$\frac{\Delta C}{\Delta Y}$$

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

यहाँ ΔC = उपभोग में परिवर्तन

ΔY = आय में परिवर्तन

- कीन्स के सिद्धांत के अनुसार MPC का मान 1 से कम होता है- अर्थात-

$$= \frac{\Delta C}{\Delta Y} < 1$$

कुछ गंभीर आर्थिक समस्याएँ -

1. Slowdown (स्लो डाउन) -

- GDP तो बढ़ता है लेकिन ग्रोथ रेट कम हो जाती है।
- इस प्रकार, इसमें GDP की ग्रोथ रेट कम हो जाती है, हालांकि वह सकारात्मक रहती है।

	t_1	t_2	t_3
GDP	100	105	108
Growth Rate	-	5%	3%

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

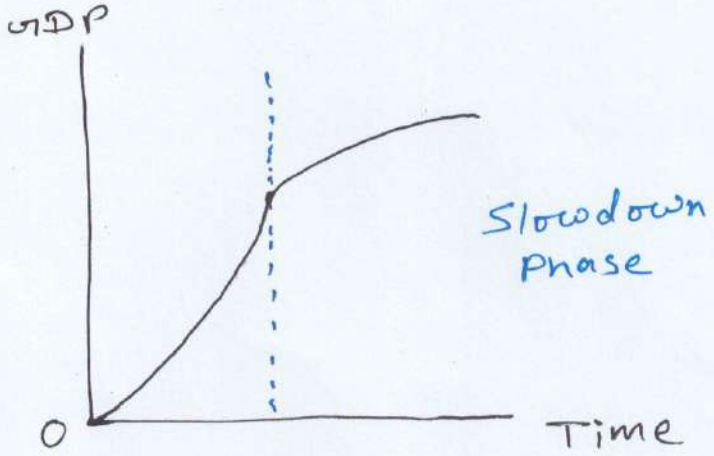

2. <u>Contraction</u> -

- यदि किसी तिमाही में पहली बार GDP कम हो जाए अर्थात ग्रोथ रेट नकारात्मक हो जाए तो इस स्थिति को Contraction कहते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

3. Recession

- यदि कम से कम दो तिमाहियों में लगातार ग्रोथ रेट नकारात्मक बनी रहती है, तो इसे Recession कहते हैं।

4. Depression

- Recession + Deflation

Deflation → अपस्फीति

Deflation → वस्तुओं की कीमतों का गिरना

KCS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- इस अवस्था में बेरोजगारी अत्यधिक तेज गति से बढ़ने लगती है क्योंकि Wage Stickiness (मजदूरी की अनम्यता) के कारण नियोक्ताओं को हानि होने लगती है। इस हानि से बचने के लिए वे श्रमिकों को बाहर निकालने लगते हैं।

5. Meltdown

- शेयर बाजारों का तेज गति से गिरना।